



असम चुनाव, प्रियंका के लिए इम्तिहान की घड़ी बना

प्रियंका गांधी को असम चुनाव के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य भी प्रियंका गांधी के भक्त लोग, जैसे इमरान मसूद ही हैं

‘अब यही है मेरी जिंदगी’

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 जनवरी। पाँच साल जेल में रहने के बाद जब उनके लिए एक और दरवाजा बंद हो गया, तो सामाजिक कार्यकर्ता और जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद ने अपनी महिला मित्र से कहा कि अब जेल में रहना ही उस की जिंदगी बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि मामले में पाँच अन्य लोगों को जमानत मिल गई है।
सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में

■ सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत अर्जी खारिज़ होने पर बेहद निराशा में उमर खालिद ने कहा, पर अन्य 5 को जमानत मिलने पर खुशी जताई।

और उसके नेतृत्व को चुनौती देने में पूरी तरह सक्षम हैं।
पार्टी में होने वाले संभावित फेरबदल में उनकी भूमिका क्या होगी, इस पर फिर से बहस शुरू हो गई है। यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या उन्हें संगठन में कोई बड़ी और अहम जिम्मेदारी मिलेगी या चुनावी प्रबंधन से जुड़ी वह बड़ी भूमिका सौंपी जाएगी, जिसका वादा तो किया गया है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हुआ।
पहले भी यह कहा जाता रहा है कि राहुल गांधी की टीम, प्रियंका गांधी को बड़ी भूमिका देने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे राहुल गांधी की छवि दब सकती है या पार्टी के भीतर कोई वैकल्पिक शक्ति केन्द्र बन सकता है।
लेकिन सुनौं का कहना है कि पार्टी एक के बाद एक चुनाव हार रही है और राहुल गांधी अपनी बनाई हुई बिखरी हुई सी टीम के साथ अकेले पार्टी को संभाल पाने में असमर्थ दिख रहे हैं।
(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लोकसभा में राहुल की अनुपस्थिति में, प्रियंका गांधी का प्रदर्शन बहुत सराहनीय रहा था और प्रियंका को पार्टी में महत्वपूर्ण व निर्णायक भूमिका देने की मांग जोरों से उठी है और यह बात सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी तक भी पहुंचायी जा चुकी है।
- अतः असम में प्रियंका गांधी और उनकी टीम यदि सफल होती है, तो उनकी अवहेलना करना मुश्किल हो जाएगा और प्रियंका गांधी असम में फेल हो जाती हैं तो उन्हें कोई और महत्वपूर्ण व निर्णायक भूमिका देने की मांग अपने आप ठंडी पड़ जाएगी।
- यह सब समझते हुए, प्रियंका गांधी असम में यह जोखिम भरी जिम्मेवारी निभाने को क्यों तैयार हो गई? क्या वे कुछ निराशा सी हो गई थीं और जोखिम उठाने के अलावा उनके समक्ष कोई विकल्प नहीं रह गया था।
“बोरियत”, का चक्रव्यूह तोड़ने के अलावा।

सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और यहाँ तक कि राहुल गांधी तक को साफ़-साफ़ बता दी है।
राहुल गांधी की अनुपस्थिति में

संसद में प्रियंका गांधी के शानदार प्रदर्शन ने इस धारणा को और मजबूत किया है कि उनकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो रहा है जबकि वे भाजपा

उमर खालिद और शर्जील इमाम को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी जमानत

जमानत के लिए अपील करने पर भी एक साल की रोक भी लगाई

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (5 जनवरी 2025) को एक्टिविस्ट उमर खालिद और शर्जील इमाम को 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया। यह मामला गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें कथित “बड़ी साजिश” का आरोप है।

लेकिन कोर्ट ने पांच अन्य आरोपियों, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद की कथित भूमिकाओं में अंतर होने के कारण उनकी जमानत मंजूर कर दी।
न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन.जी. अंजूरिया की बेंच ने दोनों एक्टिविस्टों पर लगाये गये आरोपों की

- सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोप में हालांकि उमर खालिद और शर्जील इमाम पर सख्ती की लेकिन 5 अन्य को जमानत दे दी और कहा कि पांचों की भूमिका स्पष्ट नहीं है।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर खालिद और शर्जील इमाम गवाहों की जाँच पूरी होने या वर्तमान आदेश की तारीख का एक वर्ष पूरा होने या इनमें से जो भी पहले हो उसके बाद ही फिर से जमानत याचिका दायर कर सकते हैं।
- फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए साम्प्रदायिक दंगों में 53 लोग मारे गए थे तथा सैकड़ों घायल हो गए थे। इस मामले हाई कोर्ट पहले ही सभी आरोपियों की जमानत खारिज कर चुका था।

गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि ये दोनों एक्टिविस्ट अन्य आरोपियों की तुलना में अलग श्रेणी में खड़े हैं।”
सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर 2025

को इस मामले पर निर्णय सुरक्षित रखा था, जब इन आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 2 सितंबर के उस फैसले (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती- डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 5 जनवरी। उपनिरीक्षक पुलिस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 में फर्जीबाड़े के एक बड़े मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने परीक्षा में चयन कराने के लिए सहयोग करने वाले सुनील कुमार विश्नोई को गिरफ्तार किया है।
अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि

■ गिरफ्तार आरोपी सुनील कुमार विश्नोई शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक पुलिस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 में डमी अभ्यर्थी बैठारकर परीक्षा दिलाने और अवैध रूप से चयन कराने के संबंध (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने भारत के माल पर टैरिफ और बढ़ाने की धमकी दी

सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, भारत जानता है कि वे “भारत द्वारा रूस से ऑयल खरीदने से मैं खुश नहीं हूँ और अगर मैं खुश नहीं हूँ, तो कभी भी टैरिफ बढ़ा सकता हूँ”

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 5 जनवरी। भारत पहले से ही अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत भारी टैरिफ का सामना कर रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टैरिफ और बढ़ाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि “रूस से भारत द्वारा तेल खरीदने के कारण, वॉशिंगटन बहुत जल्दी नई दिल्ली पर टैरिफ बढ़ा सकता है।”
एयर फ़ोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, “वे (भारत) असल में मुझे खुश करना चाहते थे। मोदी बहुत अच्छे आदमी हैं, वे अच्छे ईमान हैं। उन्हें पता था कि मैं (भारत के रूसी तेल आयात से) खुश नहीं था और मुझे खुश करना जरूरी था। वे व्यापार करेंगे और हम उन पर

■ ट्रंप के साथ खड़े अमेरिका के सीनेटर लिन्डसे ग्रेहम ने ट्रंप का तर्क दोहराया और कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन के ग्राहकों पर दबाव बनाना जरूरी है।

बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं। यह उनके लिए बहुत बुरा होगा।”
ट्रंप की यह ताज़ा टिप्पणी, कई महीने पहले दिए गए उनके उस दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें “आश्वासन दिया था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। अब कोई आयात नहीं होगा, वे तेल नहीं खरीद रहे हैं।”
भारत ने ट्रंप के इस दावे को खारिज करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच ऐसी

कोई बातचीत नहीं हुई थी।
इधर, ट्रंप के साथ विमान में मौजूद अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि भारत पर लगाए गए टैरिफ ही “मुख्य कारण” हैं कि अब नई दिल्ली रूस से काफ़ी कम तेल खरीद रही है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ग्राहकों पर दबाव बनाना जरूरी है।
ग्राहम ने कहा कि एक महीने पहले जब उनकी मुलाकात भारतीय राजदूत से हुई थी, तो “वह केवल यही बात

करना चाहते थे कि भारत रूस से कम तेल खरीद रहा है। क्या आप राष्ट्रपति से टैरिफ हटाने के लिए कहेंगे।”
ग्राहम के दावे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन रूस से भारत के तेल आयात में गिरावट का रूझान ज़रूर दिख रहा है। भारत ने कहा है कि उसकी नीतियाँ बाज़ार में उपलब्ध विकल्पों और भारतीय उपभोक्ताओं की ज़रूरतों के आधार पर तय होती हैं।
हालाँकि हाल के महीनों में आयात घटा है, फिर भी रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कंपनियाँ रूस से खरीदे गए तेल को फिर से बेचकर अरबों डॉलर का मुनाफ़ा कमा रही हैं।

आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के कुएं से गैस लीक

कोनसीमा, 05 जनवरी। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में ओएनजीसी के एक चालू तेल कुएं से बड़े पैमाने पर गैस लीक हो गई। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घटना तब हुई, तब कुएं में कुछ समय के लिए

■ लीक हुई गैस में आग लगी, लोगों को बिजली का इस्तेमाल नहीं करने व चूल्हा नहीं जलाने के निर्देश।

प्रोडक्शन बंद होने के बाद वर्कओवर रिग का इस्तेमाल करके मरम्मत की जा रही थी।
मरम्मत के दौरान एक जोरदार धमाका हुआ और कच्चे तेल के साथ मिली हुई गैस भारी मात्रा में हवा में बहुत ऊपर तक चली गई। यह तेल का कुआं कोनासीमा के राजोल इलाके के इरसुमंडा गांव में है।
स्थानी अधिकारियों के मुताबिक, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)